



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 24]

नई दिल्ली, शनिवार, जून 12, 1976/ज्येष्ठ 22, 1898

No. 24]

NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 12, 1976/JYAISTHA 22, 1898

इस भाग में चिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 4

PART II—Section 4

रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए सांविधिक नियम और आदेश

Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence

MINISTRY OF DEFENCE

New Delhi, the 29th May, 1976

S.R.O. 147.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the General Provident Fund (Defence Services) Rules, 1960, namely :—

1. (1) These rules may be called the General Provident Fund (Defence Services) Fifth Amendment Rules, 1976.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In rule 16 of the General Provident Fund (Defence Services) Rules, 1960 (hereinafter referred to as the said rules), in sub-rule (2A), after clause (c), the following Note shall be inserted, namely :—

“NOTE: A subscriber who has taken loan from Government and in lieu thereof has mortgaged the house or house-site to the Government shall be required to furnish the declaration to the following effect, namely :—‘I do hereby certify that the house or house-site for the construction of which or for the acquisition of which I have taken a final withdrawal from the Provident Fund continues to be in my possession but stands mortgaged to Government.’”

3. In rule 16A of the said rules, the following Notes shall be inserted at the end, namely :—

“Note 1. The Head of Office of the subscriber may be asked by the administrative authority to stop recoveries from the pay bills when the application for such conversion is forwarded to the Accounts Officer by that authority. In the case of Gazetted subscribers, the administrative authority shall endorse a copy of the letter forwarding the subscriber's intimation to the Accounts Officer from where he draws his pay in order to permit stoppage of further recoveries.

Note 2. For the purpose of sub-rule (1) of rule 16, the amount of subscription with interest thereon standing to the credit of the subscriber in the account at the time of conversion plus the outstanding amount of advance shall be taken as the balance. Each withdrawal shall be treated as a separate one and the same principle shall apply in the event of of more than one conversion.”

4. In Appendix ‘A’ to the Fourth Schedule to the said rules, after paragraph 5, the following paragraph shall be inserted, namely :—

“6. In respect of any person who is on deputation to any Central Ministry or Department, the borrowing Ministry or Department, as the case may be, shall be competent to grant advance for which special reasons are required under sub-rule (2) of rule 12.”

[Case No. 19(26)/75/D(Civ-II)]

Min. of Fin(Def.)u.o. No. 601-PA of 1976]

S. R. GURUSWAMY, Dy. Secy.

रक्षा मंत्रालय

नई दिल्ली, 29 मई, 1976

का० लि० आ० 148.—पूर्वधर्मस्थ अधिनियम, 1890 (1890 का छठा) की धारा 10 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, इसके द्वारा यह निवेश बेती है कि रक्षा मंत्रालय की अधिसूचना सं० 295, तारीख 17 अक्टूबर, 1959 के अधीन, वायुसेना अफसर अश्वायी शिक्षा निधि के नाम संचारित 40,100 रुपए के मद्रास ऋण पत्र सं० डी एच-1 को, 26 अगस्त, 76 को पुराने पर देय हो जाने पर, मोचित कर दिया जाये और प्राप्त राशि निधि के सचिव को हस्तांतरित कर दी जाये।

[सं० वा० से० मु०/19266/13/शिक्षा]

आर० के० धीर, अवसर सचिव

New Delhi, the 29th May, 1976

S.R.O. 148.—In pursuance of Section 10 of the Charitable Endowment Act 1890 (6 of 1890), the Central Government hereby directs that the Madras Loan Certificate No. DH-I for Rs. 40,100 held in the name of Air Force Officers' Contributory Education Fund vide Ministry of Defence Notification No. 295 dated 17th October, 1959 be redeemed the same having become due for payment on 26th August, 1976 after maturity and proceeds thereof transferred to the Secretary of the Fund.

[No. Air HQ/19266/13/ED]

R. K. DHIR, Under Secy.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 4 जून, 1976

का० लि० आ० 149.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए सशस्त्र बल मुख्यालय सिविल सेवा नियम, 1968 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्—

1. (1) इन नियमों का नाम सशस्त्र बल मुख्यालय सिविल सेवा (द्वितीय संशोधन) नियम, 1976 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. सशस्त्र बल मुख्यालय सिविल सेवा नियम, 1968 में,—

(i) नियम 7 में निम्नलिखित परन्तुक अन्तःस्थापित किया जायेगा, अर्थात्—

“परन्तु ऐसे निवेशों के अधीन रहते हुए जिन्हें सरकार समय-समय पर जारी करे, सशस्त्र बल मुख्यालय आशुलिपिक सेवा के चयन श्रेणी के ऐसे अधिकारियों को जिन्होंने उस श्रेणी में कम से कम दो वर्ष की सेवा की हो, सहायक सिविलियन स्टाफ आफिसर की श्रेणी में कर्तव्य पदों पर तैनात किया जा सकेगा, और ऐसी नियुक्ति की अवधि एक वर्ष तक सीमित होगी। इस प्रकार सहायक सिविलियन स्टाफ आफिसर की श्रेणी में कर्तव्य पदों पर नियुक्त किये गये सशस्त्र बल मुख्यालय आशुलिपिक सेवा के चयन श्रेणी के अधिकारी, उस सेवा में उनको समय-समय पर अनुज्ञेय श्रेणी के वेतन लेते रहेंगे।”

(ii) नियम 19 के पश्चात् निम्नलिखित नियम अन्तःस्थापित किया जायेगा, अर्थात्—

“19क कतिपय मामलों में सशस्त्र बल आशुलिपिक सेवा में प्रतिबर्तित होने का विकल्प— इन नियमों में अन्तर्निहित किसी बात के होते हुए, जो सेवा के अधीक्षक की श्रेणी में (जो अब सहायक

सिविलियन स्टाफ आफिसर के नाम से ज्ञात है) पहले से ही नियुक्त किये गये सशस्त्र बल मुख्यालय आशुलिपिक सेवा की श्रेणी-I (जो अब चयन श्रेणी के नाम से ज्ञात है) के अधिकारियों को, जो सशस्त्र बल मुख्यालय सिविल सेवा (द्वितीय संशोधन) नियम, 1976 के प्रारम्भ के ठीक पूर्व उस श्रेणी में कार्य कर रहे थे, सशस्त्र बल मुख्यालय आशुलिपिक सेवा में प्रतिबर्तित होने का विकल्प दिया जायेगा। इनमें से उन व्यक्तियों को जो सशस्त्र बल मुख्यालय आशुलिपिक सेवा में प्रतिबर्तित होने का विकल्प नहीं करते हैं, उस श्रेणी में अधीक्षक की श्रेणी की (जो अब सहायक सिविलियन स्टाफ आफिसर के नाम से ज्ञात है) चयन सूची में उस श्रेणी में उन्हें दी गई या दी जाने वाली ज्येष्ठता के आधार पर सम्मिलित किया गया माना जायेगा :

परन्तु भूतपूर्व सशस्त्र बल मुख्यालय आशुलिपिक सेवा के श्रेणी I के ऐसे अधिकारियों की बाबत, जो पहली अगस्त, 1969 को या उसके पश्चात् सेवा में स्थापना हेतियत में अधीक्षक के पद (जो अब सहायक सिविलियन स्टाफ आफिसर के नाम से ज्ञात है) धारण कर रहे थे और जिन्होंने पहली अपना विकल्प या तो सशस्त्र बल मुख्यालय आशुलिपिक सेवा में प्रतिबर्तित होने के लिये या सेवा में सहायक सिविलियन स्टाफ आफिसर बने रहने के लिये सशस्त्र बल मुख्यालय सिविल सेवा (द्वितीय संशोधन) नियम, 1976 के प्रारम्भ से पूर्व कर लिया है, यह समझा जायेगा कि उन्होंने इस नियम के उपबंधों के अधीन अपने विकल्प का प्रयोग किया है।”

(iii) तृतीय अनुसूची में, —

(क) “सिविलियन स्टाफ आफिसर (बर्ग I)” के पद के सामने “अस्थायी रिक्तियाँ शीर्षक के नीचे सूच्य 3, 4 और 5 की विद्यमान प्रविष्टियों” के स्थान पर क्रमशः निम्नलिखित प्रविष्टियाँ रखी जाएंगी, अर्थात्—

3	4	5
अस्थायी रिक्तियाँ		2 वर्ष
सिविलियन स्टाफ आफिसर की श्रेणी में अस्थायी रिक्तियों की पूर्ति सहायक सिविलियन स्टाफ आफिसरों में से अस्थायी रूप से प्रोन्नति द्वारा इस शर्त के अधीन रहते हुए चयन के आधार पर की जायेगी कि प्रत्येक 25वीं अस्थायी रिक्ति की पूर्ति आशुलिपिक के रूप में अनुमोदित कम से कम 10 वर्ष की निरन्तर सेवा जिसमें निम्नलिखित सेवा भी सम्मिलित है—	यथास्थिति, सहायक सिविलियन स्टाफ आफिसर या चयन श्रेणी सशस्त्र बल मुख्यालय आशुलिपिक सेवा के चयन श्रेणी के आशुलिपिकों में उड़ी आधार पर की जायेगी :	
(i) पहली जुलाई, 1959 के पूर्व अधीक्षक के रूप में (धराजपक्षित या राजपक्षित या दोनों) और भूतपूर्व प्रभारी सहायक की श्रेणी में; और	परन्तु यदि सहायक सिविलियन स्टाफ आफिसर की श्रेणी के किसी व्यक्ति के बारे में,	
(ii) पहली अगस्त, 1969 के पूर्व आशुलिपिक श्रेणी I के रूप में (राजपक्षित या धराजपक्षित या दोनों)।	सिविलियन स्टाफ आफिसर की श्रेणी में प्रोन्नति के लिये विचार किया जाय	

NOTIFICATION

New Delhi, the 4th June, 1976

टिप्पण. सशस्त्र बल मुख्यालय आशुलिपिक सेवा के चयन श्रेणी आशुलिपिक को नियम 7 के परन्तुक के अनुसरण में कम से कम एक वर्ष के लिये सहायक सिविलियन स्टाफ आफिसर के रूप में काम करना चाहिये :

परन्तु सशस्त्र बल मुख्यालय आशुलिपिक सेवा के चयन श्रेणी आशुलिपिक के बारे में जिसने सहायक सिविलियन स्टाफ आफिसर के रूप में उक्त एक वर्ष की अवधिपर्यन्त कार्य नहीं किया है, भी सिविलियन स्टाफ आफिसर के रूप में प्रोन्नति के लिये विचार किया जायेगा, यदि वह अन्यथा ऐसी प्रोन्नति के लिये पात्र हो और सरकार का, लेखबद्ध कारणों के आधार पर समाधान हो जाता है कि ऐसे व्यक्ति को सेवा की अवसर्यकताओं में सहायक सिविलियन स्टाफ आफिसर की श्रेणी में नियुक्त नहीं किया गया था।

है, तो उन सभी व्यक्तियों के बावत जो उस से उसी श्रेणी में ज्येष्ठ हों, भी इस बात के होते हुए भी विचार किया जायेगा कि उन्होंने उस श्रेणी में 10 वर्ष की निरन्तर सेवा की है।

(ब) "सहायक सिविलियन स्टाफ आफिसर (बर्ग II राजपत्रित)" पद के सामने, —

(1) स्तम्भ 3 में, "अधिष्ठायी रिक्तियां शीर्षक के नीचे, मब (ब) के नीचे टिप्पण 2 में "और सशस्त्र बल मुख्यालय आशुलिपिक सेवा के आशुलिपिक श्रेणी I शब्दों का जोड़ दिया जायेगा ;

(2) "अस्थायी रिक्तियां" शीर्षक के नीचे, स्तम्भ 3, 4 और 5 की विद्यमान प्रविष्टियों के स्थान पर क्रमशः निम्नलिखित प्रविष्टियां रखी जायेंगी, अर्थातः—

3	4	5
अस्थायी रिक्तियां	सहायक के रूप में	2 वर्ष
सहायक सिविलियन स्टाफ आफिसर की श्रेणी में अस्थायी रिक्तियों की पूर्ति सहायकों के चयन के आधार पर अस्थायी प्रोन्नति द्वारा की जायेगी :	विद्यमान श्रेणी में किसी समतुल्य हैसियत में कम से कम 5 वर्ष की अनुमोदित सेवा	
परन्तु यदि सहायक की श्रेणी के किसी व्यक्ति के बारे में, सहायक सिविलियन आफिसर की श्रेणी में प्रोन्नति के लिये विचार किया जाता है, तो उन सभी व्यक्तियों के, जो उससे उसी श्रेणी में ज्येष्ठ हों, के बारे में भी इस बात के होते हुए भी विचार किया जायेगा कि उन्होंने उस श्रेणी में 5 वर्ष की निरन्तर अनुमोदित सेवा नहीं की है।		

[का. सं. 98831/एच की/सी ए ओ/बी पी सी]

जी० भीमवासन, सहायक मुख्य प्रशासन अधिकारी।

S.R.O. 149.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Armed Forces Headquarters Civil Service Rules, 1968, namely :—

1. (1) These Rules may be called the Armed Forces Headquarters Civil Service (Second Amendment) Rules, 1976.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Armed Forces Headquarters Civil Service Rules, 1968,—

(i) in rule 7, the following proviso shall be inserted, namely :—

"Provided that, subject to such instructions as the Government may, from time to time, issue, officers of Selection Grade of the Armed Forces Headquarters Stenographers' Service, who have rendered not less than two years' service in that grade may be posted to duty posts in the grade of Assistant Civilian Staff Officer, the period of such appointment being limited to one year. Officers of Selection Grade of the Armed Forces Headquarters Stenographers' Service so appointed to duty posts in the Assistant Civilian Staff Officers' Grade shall continue to draw the grade pay admissible to them in that service from time time."

(ii) after rule 19, the following rule shall be inserted, namely :—

"19A Option to revert to the Armed Forces Headquarters Stenographers' Service in certain cases.—Notwithstanding anything contained in these rules, officers of Grade I (now known as the Selection Grade) of the Armed Forces Headquarters Stenographers' Service already appointed to the Grade of Superintendent (now known as the Assistant Civilian Staff Officer) of the Service, who were officiating in that Grade immediately before the commencement of the Armed Forces Headquarters Civil Service (Second Amendment) Rules, 1976, shall be given an option to revert to the Armed Forces Headquarters Stenographers' Service. Such of them as do not opt to revert to the Armed Forces Headquarters Stenographers' Service, shall be treated as having been included in the Select List of the Grade of Superintendent (now known as Assistant Civilian Staff Officer) on the basis of seniority assigned or to be assigned to them in that Grade."

Provided that officers of Grade I of the erstwhile Armed Forces Headquarters Stenographers' Service who were holding the posts of Superintendent (now known as the Assistant Civilian Staff Officer), in an officiating capacity, in the Service on or after the 1st August, 1969 and who had already exercised their option either to revert to the Armed Forces Headquarters Stenographers' Service or to continue as Assistant Civilian Staff Officer in the Service, before the commencement of the Armed Forces Headquarters Civil Service (Second Amendment) Rules 1976, shall be deemed to have exercised their option under the provisions of this rule."

(iii) in the Third Schedule,—

(a) against the post of "Civilian Staff Officer (Class B)", under the heading "Temporary vacancies", for the existing entries in columns 3, 4 and 5, the following entries shall respectively be substituted, namely :—

3	4	5
TEMPORARY VACANCIES		
Temporary vacancies in the Grade of Civilian Staff Officer shall be filled by temporary promotion from amongst Assistant Civilian Staff Officers on the basis of Selection, subject to the condition that every 25th temporary vacancy shall be filled on the same basis from amongst Selection Grade Stenographers of the Armed Forces Headquarters Stenographers Service :	Minimum 10 years continuous approved service as Assistant Civilian Staff Officer or Selection Grade Stenographer, as the case may be, including service—	
Provided that if any person in the Grade of Assistant Civilian Staff Officer is considered for promotion to the Grade of Civilian Staff Officer, all persons senior to him in that Grade shall also be so considered notwithstanding that they may not have rendered 10 years' continuous approved service in that Grade.	(i) As Superintendent (Gazetted or Non-gazetted or both) and in the erstwhile Grade of Assistant-in-Charge prior to the 1st July, 1959; and (ii) as Stenographer Grade I (Gazetted or Non-gazetted or both) prior to the 1st August, 1969.	
	Note : A Selection Grade Stenographer, of the Armed Forces Headquarters Stenographers Service should also have worked as Assistant Civilian Staff Officer for at least a period of 1 year in accordance with the proviso to rule 7 :	
	Provided that a Selection Grade Stenographer of the Armed Forces Headquarters Stenographers service who has not worked as an Assistant Civilian Staff Officer for the said period of one year shall also be so considered for promotion to Civilian Staff Officer if he is otherwise eligible for such promotion and the Government, for	

3	4	5
	reasons to be recorded in writing, are satisfied that such a person was not appointed to the Assistant Civilian Staff Officers Grade in the exigencies of service.	2 years."
(b) against the post of "Assistant Civilian Staff Officer (Class II-Gazetted)",—		
(1) in column 3, under the heading "Substantive vacancies" in Note (2) below item (b), the words "and Stenographers' Grade I of the Armed Forces Headquarters Stenographers' Service" shall be omitted;		
(2) under the heading "Temporary vacancies", for the existing entries in columns 3, 4 and 5, the following entries shall respectively be substituted, namely :—		

3	4	5
TEMPORARY VACANCIES		
Temporary vacancies in the Grade of Assistant Civilian Staff officer shall be filled by temporary promotion from amongst Assistants on the basis of selection :	Minimum 5 Years' continuous approved service as Assistant or in an equivalent existing Grade.	2 years."
Provided that if any person in the Grade of Assistant is considered for promotion to the Grade of Assistant Civilian Staff Officer, all persons senior to him in that Grade shall also be so considered notwithstanding that they may not have rendered 5 years' continuous approved service in that Grade.		

[File No. 98831/SG/CAO/DPC]
[G. SRINIVASAN]
Assistant Chief Administrative Officer